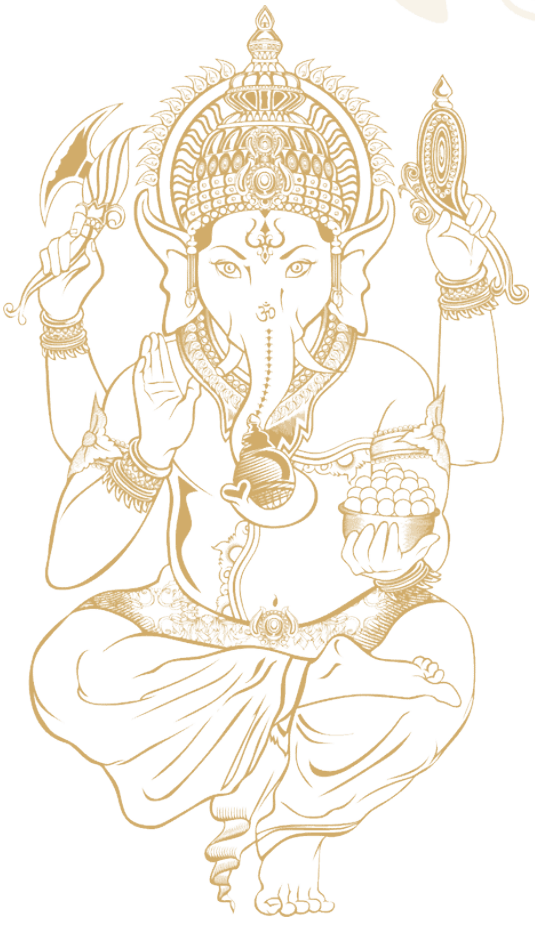

Mr.suraj

Ms.jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119850902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/01/1998	जन्म तिथि	27-28/06/1997
बुधवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 17:40:00	जन्म समय	00:30:00 घंटे
घटी 25:58:30	जन्म समय(घटी)	47:40:42 घटी
India	देश	India
Kaithal	स्थान	Saharanpur
29:47:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
76:29:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:36	सूर्योदय	05:21:00
17:56:49	सूर्यास्त	19:24:32
23:49:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:17

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 0मा 5दि	11:38:53	कर्क	लग्न	मीन	18:26:14	शनि 1वर्ष 3मा 21दि
राहु	14:32:16	मक	सूर्य	मिथु	12:19:27	शुक्र
03/02/2009	17:58:44	मक	चंद्र	मीन	15:44:56	18/10/2022
03/02/2027	08:37:36	कुंभ	मंगल	कन्या	10:00:12	18/10/2042
राहु 17/10/2011	28:16:44	धनु	बुध	मिथु	14:45:56	शुक्र 17/02/2026
गुरु 12/03/2014	04:32:10	कुंभ	गुरु व	मक	27:37:13	सूर्य 17/02/2027
शनि 16/01/2017	26:04:28	धनु व	शुक्र	कर्क	04:58:53	चन्द्र 18/10/2028
बुध 05/08/2019	21:20:49	मीन	शनि	मीन	25:30:59	मंगल 18/12/2029
केतु 22/08/2020	16:57:25	सिंह व	राहु व	सिंह	29:15:44	राहु 18/12/2032
शुक्र 23/08/2023	16:57:25	कुंभ व	केतु व	कुंभ	29:15:44	गुरु 19/08/2035
सूर्य 17/07/2024	14:51:21	मक	हर्ष व	मक	14:04:01	शनि 18/10/2038
चन्द्र 16/01/2026	06:08:52	मक	नेप व	मक	05:21:40	बुध 18/08/2041
मंगल 03/02/2027	13:44:13	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:33:24	केतु 18/10/2042

लग्न-चलित

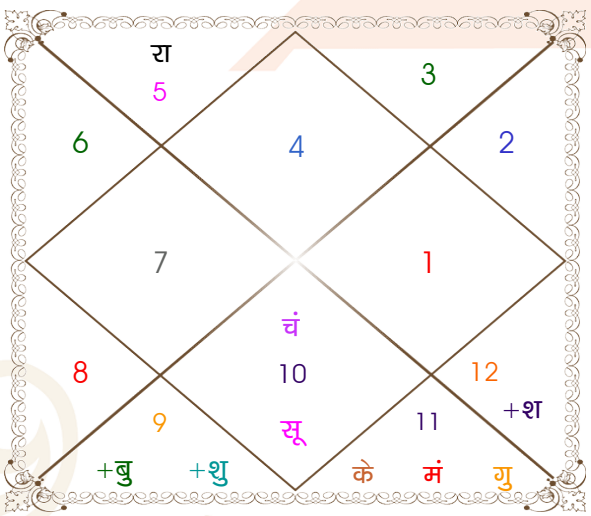

लग्न-चलित

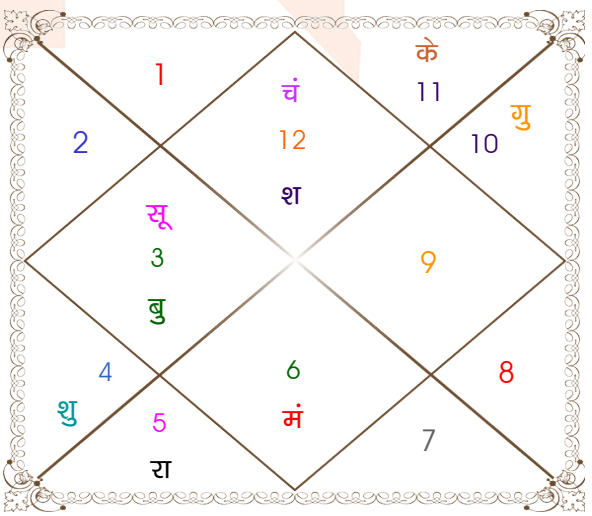

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Mr.suraj का वर्ग मार्जार है तथा Ms.jyoti का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.suraj और Ms.jyoti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.suraj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr.suraj कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.suraj कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.jyoti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।

तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms.jyoti कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.jyoti कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.suraj तथा Ms.jyoti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।